इस जीवन की, डोर तेरे हाथ रे

जय हो जय हो, भोले बाबा, तोरे, चरणों में मन लागा,
भोले नाथ रे,,,
इस जीवन की, डोर तेरे हाथ रे ॥

अल्ख निरंजन, भोले बम-बम, आशुतोष ब्रह्मचारी,
नाथों के हो, नाथ सदा-शिव, अभ्यंकर त्रिपुरारी ॥
लागा, शँभू से अनुरागा, सारा, संकट पल में भागा,
भोले नाथ रे,,,
इस जीवन की, डोर तेरे हाथ रे ।
जय हो जय हो, भोले बाबा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मनमौजी हो, शिव वरदानी, कण्ठ हला हलधारी,
अमर कथा के, स्वामी दाता, अम्बा के भरतारी ॥
सच्चे, मन से जिसने साधा, लागे, भूत प्रेत न बाधा,
भोले नाथ रे,,,
इस जीवन की, डोर तेरे हाथ रे ।
जय हो जय हो, भोले बाबा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

शेषनाग शिव, गले विराजे, चंद्र-शीश शोभा पाए,
चिलम चमी का, तुरही के संग, बाघम्बर मन भाए ॥
औघड़दानी, शिव मतवाला, जिसने, भूतों को है पाला,
भोले नाथ रे,,,
इस जीवन की, डोर तेरे हाथ रे ।
जय हो जय हो, भोले बाबा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

देवों के, सरताज हो भोले, महाँदेव कहलाते,
श्री श्याम, गोकुल में सारी, दुविधा दूर हटाते ॥
जिसको, मिल गई शिव की छाया, उसकी, पावन हो गई काया,
भोले नाथ रे,,,
इस जीवन की, डोर तेरे हाथ रे ।
जय हो जय हो, भोले बाबा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19317/title/is-jeewan-ki-dor-tere-hath-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |